



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के दुर्गापुरा के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के हस्तान्तरण कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल व सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार भी शामिल हुए ।

किसानों को लाभांवित करने में राजस्थान देश में पाँचवे स्थान पर- भजनलाल पीएम किसान सम्मान निधि पर मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 19 नवम्बर (कासे)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच देश के किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के विकास से जुड़ी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों के अनुरूप अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास तथा हर जरूरतमंद तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उसके जीवन स्तर को उठाने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी के तमिलनाडु के कोयम्बटूर शहर में पीएम किसान सम्मान निधि की 21 वीं किस्त

- प्रधानमंत्री मोदी ने कोयम्बटूर में किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त हस्तांतरित की, मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से जुड़े।**

के हस्तान्तरण कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े। जयपुर के दुर्गापुरा के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अब तक 20 किस्त जारी हुई हैं, जिससे राजस्थान के किसानों के खातों में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की

जा चुकी है। 21 वीं किस्त में लगभग 1400 करोड़ की राशि किसानों के खातों में जमा करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि लाभांवित किसानों की संख्या की दृष्टि से राजस्थान का देश में पांचवां स्थान है।

उन्होंने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सरकार तीन हजार रुपये की राशि अलग से दे रही है। इसके अलावा, किसानों की बिजली के बिलों में 41 हजार करोड़

रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

समारोह में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि कृषि और सहकारिता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि किसान हमारे समाज और अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं।

इस दौरान सहकारिता से संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, शासन सचिव कृषि राजन विशाल सहित, संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

मान्यता प्राप्त किये बिना ही अल फलाह ने 4 1 5 करोड़ रु. की फीस वसूली

नयी दिल्ली (19 नवंबर) दिल्ली की एक अदालत ने अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के अध्यक्ष एवं कुलाधिपति जावेद अहमद सिद्दीकी को कथित धोखाधड़ी वाले मान्यता दावों से जुड़े घनशोध मामले में 13 दिनों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है। यह आदेश मंगलवार देर रात साकेत जिला न्यायालय में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने पारित किया।

ईडी ने 14 दिन की हिरासत की मांग करते हुए तर्क दिया था कि सिद्दीकी उस योजना के केंद्र में था जिसमें अल-फलाह विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध संस्थानों ने कथित रूप से लगभग 415.10 करोड़ रुपये की अपराध आय अर्जित की थी। एजेंसी के अनुसार, यह राशि एनएएससी मान्यता और यूजीसी मान्यता के झूठे दावों के आधार पर छात्रों से एकत्रित की गई फीस है।

- ईडी के अनुसार छात्रों से फीस की राशि एनएएससी मान्यता व यूजीसी मान्यता के झूठे दावे के आधार एकत्रित की गई।**

ईडी ने तर्क दिया कि इन भ्रामक प्रथाओं का उपयोग छात्रों एवं अभिभावकों को बेईमानी से फीस का भुगतान करने हेतु प्रेरित करने के लिए किया गया, जिससे अत्यधिक अपराध आय अर्जित हुई। 2014-15 से 2024-25 तक आयकर रिटर्न के वित्तीय विश्लेषण से पता चला कि शैक्षणिक राजस्व में भारी वृद्धि हुई है, जिन वर्षों में संस्थान को मान्यता प्राप्त नहीं हुई थी उन वर्षों के दौरान कुल 415.10 करोड़ रुपये को शैक्षणिक प्रथाओं का उपयोग छात्रों एवं अभिभावकों को बेईमानी से फीस का भुगतान करने हेतु प्रेरित करने के लिए किया गया, जिससे अत्यधिक अपराध आय अर्जित हुई। 2014-15 से 2024-25 तक आयकर रिटर्न के वित्तीय विश्लेषण से पता चला कि शैक्षणिक राजस्व में भारी वृद्धि हुई है, जिन वर्षों में संस्थान को मान्यता प्राप्त नहीं हुई थी उन वर्षों के दौरान कुल 415.10 करोड़ रुपये को शैक्षणिक

प्रथाओं का उपयोग छात्रों एवं अभिभावकों को बेईमानी से फीस का भुगतान करने हेतु प्रेरित करने के लिए किया गया, जिससे अत्यधिक अपराध आय अर्जित हुई। 2014-15 से 2024-25 तक आयकर रिटर्न के वित्तीय विश्लेषण से पता चला कि शैक्षणिक राजस्व में भारी वृद्धि हुई है, जिन वर्षों में संस्थान को मान्यता प्राप्त नहीं हुई थी उन वर्षों के दौरान कुल 415.10 करोड़ रुपये को शैक्षणिक

केरल में एसआईआर की याचिकाओं की सुनवाई 21 को

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केरल में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह को सुनवाई के लिए 21 नवंबर को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

अधिवक्ता हारिस बीरन ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के समक्ष इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की ओर से दायर याचिका का हवाला दिया, जिसमें इसे तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया गया था। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने मामले को शुक्रवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

बीरन ने दलील दी कि राज्य में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के कारण एसआईआर को एक साथ कराना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाएगा।

अधिवक्ता सी.के. शशि ने केरल सरकार की याचिका का भी उल्लेख किया, जिसमें एसआईआर अधिसूचना को चुनौती नहीं दी गई है, बल्कि स्थानीय निकाय चुनाव समाप्त होने तक पुनरीक्षण प्रक्रिया को स्थगित करने की मांग की गई है।

अनमोल बिश्नोई के दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने गिरफ्तार किया

उस पर सिद्धू मूसावाला व बाबा सिद्दीकी हत्याकांड तथा सलमान खान के घर पर फायरिंग के मामले दर्ज हैं

नयी दिल्ली ,19 नवंबर। खूंखार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यापित कर दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर उतरते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

अनमोल पर हत्या, अपहरण और जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोप हैं और वह लंबे समय से फरार था। वर्ष 2022 से फरार और अमेरिका में रह रहा अनमोल बिश्नोई जेल में बंद अपने भाई लॉरेंस बिश्नोई की अगुवाई वाले

पेपर लीक के मास्टर माइंड जगदीश विश्नोई की जमानत याचिका खारिज

हाई कोर्ट ने विश्नोई के साथ तीन अन्य आरोपियों को भी जमानत देने से इनकार किया

- आठ महीने पहले जगदीश विश्नोई को जैईएन-भर्ती-2020 पेपर लीक मामले में जमानत मिली थी, लेकिन एसआई भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में जेल में बंद होने के कारण वह जेल से बाहर नहीं आ पाया था।**

ने कहा कि जगदीश विश्नोई ही एसआई भर्ती, 2021 पेपर लीक का मास्टरमाइंड है। उसने ही गैंग बनाकर पेपर लीक किया और भर्ती प्रक्रिया की पवित्रता को भंग किया। वहीं, राजीव बिश्नोई न केवल अभ्यर्थी है, बल्कि गैंग

हैडलर भी है। उसने ही पेपर को सांल करके आगे फैलाया था। वहीं कार्तिकेय शर्मा ने पेपर खरीदकर रिकू यादव को बेचा। आरोपियों ने मिलीभगत कर एसआई भर्ती का पेपर लीक किया। आरोपियों के खिलाफ अभियोजन के पास पर्याप्त सबूत हैं। इसलिए आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की दलीलों से सहमत होकर मुख्य आरोपी जगदीश विश्नोई सहित, अन्य तीन आरोपियों को जमानत याचिका खारिज कर दी। गौरतलब है कि आठ महीने पहले जगदीश विश्नोई को जैईएन भर्ती-2020 पेपर लीक मामले में जमानत मिली थी, लेकिन एसआई भर्ती मामले में जेल में बंद होने के चलते वह जेल से बाहर नहीं आ पाया था। ऐसे में अब याचिका खारिज होने के चलते उसे फिलहाल जेल में ही बंद रहना पड़ेगा।

राष्ट्रपति छत्तीसगढ़, तेलंगाना व आंध्र के दौरे पर

नयी दिल्ली 19 नवम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार से छत्तीसगढ़ , तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की तीन दिन की यात्रा पर जायेंगी।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को बताया कि मुर्मू गुरुवार को अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ सरकार के जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल होंगी।

- वे आज अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ सरकार के जनजातिय गौरव दिवस समारोह में शामिल होंगी।**

शुक्रवार को वह सिकंदराबाद के बोलारम स्थित राष्ट्रपति निलयम में भारतीय कला महोत्सव 2025 का उद्घाटन करेंगी। भारतीय कला महोत्सव के दूसरे संस्करण में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव की समृद्ध सांस्कृतिक, पाककला और कलात्मक परंपराओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

बिहार ...

- (प्रथम पृष्ठ का शेष)**

में होने हैं, तृणमूल कांग्रेस द्वारा कांग्रेस के लिए कोई जगह छोड़े जाने की संभावना कम ही है। तमिलनाडु में कांग्रेस-डीएमके गठबंधन भी मुश्किल दौर से गुजर रहा है, खासकर इसलिए, क्योंकि कांग्रेस, अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी, टीवीके के कर्तब दिख रही है। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पहले ही इंडिया ब्लॉक से बाहर होने की घोषणा कर चुके हैं, और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कांग्रेस से उचित दूरी बनाए रखने के संकेत दे रहे हैं।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) हर कोशिश को उजागर करेंगे, चाहे वह कितनी ही सूक्ष्म क्यों न हो, जो असली मतदाताओं को हटाने या फर्जी मतदाताओं को जोड़ने के लिए की जा रही है। कांग्रेस पार्टी संस्थाओं के पक्षपातपूर्ण दुरुपयोग से लोकतांत्रिक सुरक्षा -तंत्र को कमजोर नहीं होने देगी।”

राजस्थान ...

- (प्रथम पृष्ठ का शेष)**

नवंबर को तय की है। याचिका में अधिवक्ता सविता सिहाग ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर नियुक्ति के लिए। अगस्त 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने आवेदन किया था।

याचिका में आरोप लगाया गया कि आवेदन करने समय प्रोफेसर अल्पना ने अपने ऊपर लंबित आपराधिक प्रकरण की जानकारी नहीं दी। जबकि नियमानुसार, उन्हें इस संबंध में जानकारी देनी थी। ऐसे में उन्होंने लघु छुपा कर नियमों की अवहेलना की है। ऐसे में उनके चयन को निरस्त किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ में राज्य सरकार सहित, अन्य संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब पक्ष करते हुए स्टे एप्लीकेशन पर प्रोफेसर अल्पना से अलग से जवाब देने को कहा है।

दिल्ली पुलिस ने अल फलाह के छात्र को देवबंद से गिरफ्तार किया

- छात्र अहमद रजा अल फलाह में मेडिकल कॉलेज के तीसरे वर्ष में पढ़ रहा है**

सहारनपुर, 19 नवंबर। सफेद पोश आतंकी माइयूल की आतंकी गतिविधियां उजागर होने के बाद, फरीदाबाद को अल-फलाह यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस का तीसरे वर्ष का छात्र अहमद रजा दिल्ली पुलिस की हिरासत में है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम मंगलवार शाम देवबंद से इस छात्र को अपने साथ लेकर आई थी। मोहल्ला पठानपुरा निवासी इस छात्र का पिता अब्बास जैदी यहां भायला रोड़ स्थित असगरिया मदरसे के पास टैक्टर के स्पेयर पार्ट्स की दुकान करता है। उन्होंने कहा कि उनका बेटा तीन साल पहले अल-फलाह यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस का पढ़ाई करने के लिए गया था और अभी हाल ही में वह देवबंद पर पर आया था। उनका लड़का पूरी तरह से निर्दोष है।

दूसरी ओर, पुलिस और जांच एजेंसियां जनपद में रह रहे कश्मीरी छात्रों की ललाश में जुटी हैं। जांच-पड़ताल के लिए आई टीम की अगुवाई कर रहे

डॉ. शाहीन ने अल-फलाह की प्रयोगशाला से बम बनाने के रसायन चुराये

एनआईए ने डॉ. शाहीन द्वारा उपयोग की गई संदिग्ध कार कानपुर से बरामद की

- एनआईए की जांच में जानकारी मिली है कि डॉ. उमर नबी कथित रूप से आत्मघाती हमलावरों की भर्ती व प्रशिक्षण की कोशिश कर रहा था। उसका उद्देश्य पूरा आत्मघाती दस्ता तैयार करना था।**

विश्वविद्यालय पहले ही जांच के दायरे में है। इस बीच, एनआईए की व्यापक आतंकवाद-रोधी जांच से पता चला है कि डॉ. उमर नबी कथित रूप से अतिरिक्त आत्मघाती हमलावरों की भर्ती एवं प्रशिक्षण की कोशिश कर रहा था। कार्यकर्ताओं ने पाया कि उसने कम से कम 11 व्यक्तियों को प्रेक वीडियो वितरित किया था, जिनमें से सात कश्मीर से तथा

अन्य उत्तर प्रदेश, केरल और कर्नाटक से थे। उन सभी का विश्वविद्यालय से कोई न कोई संबंध था। एनआईए सूत्रों के अनुसार, उमर का उद्देश्य अकेले काम करने के बजाय, एक पूरा आत्मघाती दस्ता तैयार करने का था। फोरेंसिक टीमें उसके अंग्रेजी वीडियो के असामान्य लहजे की जांच कर रही हैं जो कृत्रिम रूप से संशोधित प्रतीत होता है।

